BECC-132

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.सामान्य)
(BAG)

सत्रीय कार्य 2021–22

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–132
पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बीईसीसी-132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता हैः (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है। आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं।

इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-132: व्यष्टि अर्थशास्त्र-II** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास 31 मार्च, 2021 तक जमा करा देने चाहिए।

i) **जुलाई 2021 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2022 है।**

ii) **जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2022 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।
   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :
   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;
   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और
   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी-132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-132
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021-22
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य–1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक का) लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2x20=40**

1. (क) द्वैयाधिकार के कूर्नो तथा स्टैकलबर्ग प्रतिमान के बीच तुलना तथा अंतर बताइये। **(10)**

   (ख) अल्पाधिकारी के समक्ष माँग वक्र उपलब्ध कीमत स्तर पर विकुंचित (Kink) होता है, व्याख्या करें। **(10)**

   (ग) विकुंचन (kink) के दोनों ओर मांग वक्र का ढाल अलग-अलग क्यों होता है? कारण बताएं। **(5)**

2. (क) हैक्शर-ऑहलिन का व्यापार का सिद्धांत वहां से शुरू होता है जहां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के रिकार्डियन सिद्धांत का अंत हो जाता है। व्याख्या करें। **(10)**

   (ख) A तथा B नामक दो वस्तुओं का उत्पादन करने वाले दो देशों I तथा II पर विचार कीजिए। उत्पादन का केवल एक ही साधन अर्थात् श्रम के घंटे हैं। निम्नलिखित तालिका प्रत्येक देश द्वारा प्रयुक्त श्रम के घंटों जो A तथा B के उत्पादन में लगते हैं, को दिखाती है।

उत्पादन की एक इकाई के उत्पादन हेतु श्रम घंटों की आवश्यकता

देश	वस्तु A	वस्तु B
I	4	2
II	6	4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

(i) A वस्तु के उत्पादन में कौन-से देश को कुल लाभ प्राप्त है? कारण दें। **(4)**

(ii) B वस्तु के उत्पादन में किस देश को तुलनात्मक लाभ प्राप्त है? **(4)**

(iii) यदि दोनों ही देशों के बीच व्यापार होता है तो कौन-सा देश A वस्तु का निर्यात करेगा? **(2)**

सत्रीय कार्य–2

निम्नलिखित मध्यम उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग (प्रत्येक का) 250 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं। **3x10=30**

3. क) पूर्ण प्रतियोगी बाज़ार संरचना के अंतर्गत कार्य करने वाली फर्म का सीमांत लागत फलन इस प्रकार है :

$$MC(Q) = 4Q + 5$$

जहाँ Q उत्पादन मात्रा को व्यक्त करती है। इस फर्म का प्रत्येक उत्पादन की इकाई से प्राप्त सीमांत लाभ रु.25 है। मान लीजिए कि यह फर्म उत्पादन की 3 इकाइयों के उत्पादन का निर्णय लेती है तो क्या यह निर्णय फर्म के लाभ का अधिकतमीकरण का निर्णय है? यदि नही तो फर्म को अपना लाभ अधिकतम करने के लिए कितना उत्पादन करना चाहिये। (5)

(ख) निम्नलिखित रेखाचित्र पर विचार करें जहां D किसी उद्योग के बाज़ार माँग वक्र को दिखाता है MR तथा MC क्रमशः सीमांत आगम एक सीमांत लागत को प्रदर्शित करते हैं।

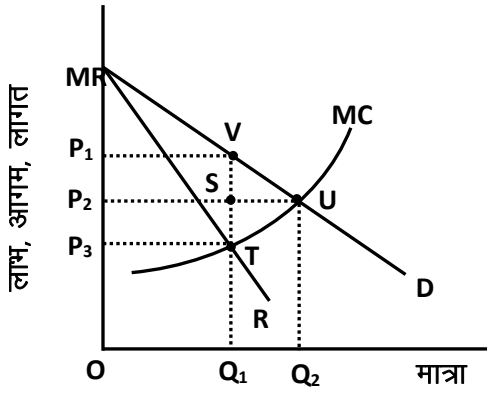

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें –

i) कौन-सा बिंदु पूर्ण-प्रतियोगिता उद्योग संतुलन को व्यक्त करता है? यदि उद्योग पूर्ण प्रतियोगी से एकाधिकारी हो जाता है तो संतुलन का बिंदु क्या होगा? (3)

ii) एकाधिकार से जुड़े कुल भार (deadweight) को क्षेत्र द्वारा रेखाचित्र में दर्शाया गया है। (2)

4. उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग करते हुए यह दिखाए कि भूमि बाज़ार में भूमि की मांग एवं पूर्ति के बीच अंतःक्रिया (interaction) संतुलित लगान का निर्धारण करती है। (10)

5. क) बाज़ार विफलन के विविधकरण क्या है? (5)

ख) बाह्यताओं के आंतरिकीकरण के विविध तरीकों की व्याख्या कीजिए। (5)

सत्रीय कार्य–3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (प्रयेक का) लगभग 100 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। 5x6=30

6. पार्श्वगामी श्रम आपूर्ति वक्र की रचना करें। इस वक्र पार्श्वगामी होने के कारणों की व्याख्या करें।

7. ब्याज़ निर्धारण के ऋण योग्य सिद्धांत की चर्चा करें।

8. नैतिक खतरों (Moral Hazard) की समस्या क्या है?

9. विश्व व्यापार संगठन (WTO) के भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़े हैं?

10. क्षेम अर्थशास्त्र के प्रथम मूलभूत सिद्धांत की व्याख्या करें।